(1400/SK/RC)

जयपुर में सात वर्षीय बालिका के साथ जिस तरह से रेप किया गया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इस पर केंद्र सरकार द्वारा इंटरफेरेंस करके राज्य की बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था को ठीक किया जाए।

माननीय अध्यक्ष: कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री राहुल कासवान और श्री मनोज राजोरिया को श्री रामचरण बोहरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री जनार्दन सीग्रीवाल (महाराजगंज): माननीय अध्यक्ष जी, यह मामला मेरे संसदीय क्षेत्र के छात्रों और अभिवावकों से जुड़ा हुआ है। मेरे संसदीय क्षेत्र महाराजगंज, बिहार में वर्ष 2012 में केंद्रीय विद्यालय महाराजगंज जिला सिवान की स्थापना हुई थी। केंद्रीय विद्यालय स्थापना काल के बाद से ही आज तक श्री गौरी शंकर हाई स्कूल उज्जैन दुरौंदा जिला सिवान के परिसर में यह विद्यालय चल रहा है। भवन आज भी नहीं है और जमीन की आवश्यकता है।

मैं आपके माध्यम से मानव संसाधन विभाग के माननीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि महाराजगंज केंद्रीय विद्यालय के लिए जमीन और भवन निर्माण के लिए राशि उपलब्ध कराएं।

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का समय दिया, आपके प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री जनार्दन सीग्रीवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

SHRIMATI AGATHA K. SANGMA (TURA): Mr. Speaker, Sir, I thank you very much for giving me an opportunity to speak.

माननीय अध्यक्ष: श्रीमती अगाथा के. संगमा, आपको कल भी मौका दिया था, कल आप उपस्थित नहीं थीं।

श्रीमती अगाथा के. संगमा (तुरा): महोदय, यह कल बाय मिस्टेक आ गया था, मैंने लास्ट वीक दिया था। लेकिन आज मैंने इंटेन्शिनली दिया है।

Sir, this summer season has seen punctuated multiple heat waves. According to the IMD report, the average temperature is higher than the 2018 summer. But the latest report of the Centre for Science and Environment has conclusively established that electricity demand of Delhi is directly linked to temperature and humidity conditions. In fact, over 50 per cent of the electricity consumed in Delhi during summer months is to cool the buildings. Interestingly, demand for electricity is more during nights. This clearly shows that the buildings in this city are not able to cope up with the environmental conditions and it is forcing people to use more energy-intensive air-conditioning to keep their buildings cool. 'Mid-night demand peaks' indicate that the households are more stressed. Given the fact that ACs throw waste heat outside and make cities hotter, it is also a coal-based power which is one of the leading green house gas emissions. It is a vicious cycle. Hotter it gets, the more we need to cool and the more ACs we need to use.

I would like to urge upon the Government to ensure that steps are taken to make buildings more energy-efficient. That also takes care of the cooling aspect of the buildings. I would request the Government to take measures in terms of legislations, notifications, etc. so that buildings are made in more sustainable and energy efficient. With the result, buildings would become cooler and we would not need to use that much of air-conditioning at this time of summer.

माननीय अध्यक्ष: कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती अगाथा के. संगमा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Sir, according to the Press Release dated 22nd November, 2018, the Cabinet Committee on Economic Affairs had taken a decision that the procurement of 100 per cent jute bags for all sectors and 20 per cent for sugar will be made. But this procurement is not being made. This is a decision of the Central Government and the aim is to help the jute industry. The jute industries are really suffering. In two districts of Hooghly and North 24 Parganas of West Bengal, we have at least 25 jute mills. They are all suffering. I would request that the Ministry of Textile must implement this Cabinet decision which was taken for the purpose of procurement of jute bags from the jute mills. But no procurement is being made. Around 60 per cent jute mills have closed down and lakhs and lakhs of jute workers have become unemployed. Therefore, my request is that procurement should start immediately.

(1405/MK/SNB)

श्रीमती जसकौर मीना (दौसा): माननीय अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने की अनुमति दी इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरा विषय पूरे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत कृषि की दृष्टि से आर्थिक उन्नति का आधार है। मैं जानती हूं कि महात्मा गांधी जी ने कृषि को 'भारत की आत्मा' कहकर पुकारा था। आज भी भारत की ग्रामीण जनता कृषि पर ही आधारित है। हमारी सरकार के नेतृत्वकर्ता ने कृषकों की चिंता की है।

माननीय अध्यक्ष जी, यशस्वी प्रधान मंत्री जी के सपने को पूरा करने के लिए योजना बनाकर काम करने की अति आवश्यकता है, तभी हम किसान की आय को दोगुना कर सकते हैं। जैविक कृषि की उन्नति, उद्यान की फल, साग-सब्जी एवं दुधारू पशुपालन की समेकित योजना प्रत्येक जिले में लागू की जाएगी तभी इस कल्पना को पूरा किया जा सकता है। इसके लिए कृषि

विभाग को जागरूकता अभियान चलाने की बहुत बड़ी अवश्यकता है। क्षेत्रवार भूमि के स्वास्थ्य के अनुरूप फसलों को चिह्नित करना होगा, साथ ही उनकी उपज का उचित मूल्य मिले इसकी व्यवस्था भी साथ-साथ करनी पड़ेगी। कृषि विभाग ने कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की है, लेकिन कृषि विज्ञान केन्द्र निष्क्रिय पड़े हुए हैं। राजस्थान के सारे कृषि विज्ञान केन्द्र काम नहीं कर रहे हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र का कृषि विज्ञान केन्द्र ऐसा है, जिसको देखकर दु:ख होता है कि वहां घास भी नहीं उगी हुई नहीं है और वैज्ञानिकों पर लाखों रुपये प्रति महीने खर्च होता है। मेरा आपसे अनुरोध है कि यदि हम कृषि की आय को दोगुना करना चाहते हैं, दस गुना करना चाहते हैं तो समेकित योजना बनाकर काम किया जाना चाहिए।

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Hon. Speaker, Sir, thank you for giving me this opportunity to raise an issue during `*Zero Hour*'.

For the last one week or so we have been deliberating on history and history is a very interesting subject. Through you, I would like to draw the attention of the House to the fact that the West Bengal Assembly passed a Resolution to conduct an investigation on the mysterious death of the late Shyama Prasad Mookherjee when he was incarcerated in Jammu and Kashmir. Till date no such investigation has been conducted. But the Resolution of the West Bengal Assembly is still there. It was sent to the Union Government, especially to the then Home Ministry to conduct an investigation to find out what was the cause of the death of the late Shyama Prasad Mookherjee.

The late Shyama Prasad Mookherjee was the first *Udyog* Mantri of Independent India. He relinquished the post of Ministership in 1950. After that my father took over from Eastern India as the representative. Both of them

visited Cuttack, my Parliamentary constituency, where Shyama Prasad Babu was accorded a very huge reception. He was very much popular not only in Bengal but also in Eastern India and also in the country. Later on, no doubt, he became the founder of the *Bhartiya Jan Sangh*. He was fighting against the mistake that was being committed by interpolation of article 370 and later article 35A.

But my point here is this. A Resolution was moved by West Bengal Assembly and sent to the Union Government to conduct an impartial investigation relating to his death. I would now urge upon the new dispensation that has come to power at the Centre, to take this up and conduct an impartial investigation into the cause of his death. The mysterious disappearance of Netaji Subhas Chandra Bose has been investigated. I would now like to urge upon this Government to conduct an investigation relating to the death of Shyama Prasad Babu.

Thank you.

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री भर्तृहरि महताब द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: माननीय मंत्री महोदय, बात न करें, प्लीज। आप नोट कर लें जो माननीय सदस्य बोल रहे हैं।

(1410/YSH/RU)

डॉ. किरिट पी. सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): स्पीकर महोदय, आपने मुझे मेरे संसदीय क्षेत्र का महत्वपूर्ण विषय उठाने की अनुमति दी है। मैं अहमदाबाद से आता हूँ। केन्द्रीय विद्यालय के बारे में देखा जाए तो बहुत हाई क्वालिटी एजुकेशन इन विद्यालयों के बारे में देखने को मिलती है। अहमदाबाद शहर रेलवे लाइन की वजह से दो भाग में बंटता है, एक पूर्वी भाग है और एक पश्चिमी भाग है। सभी केन्द्रीय विद्यालय पश्चिमी भाग में हैं। पूर्वी भाग में एक भी केन्द्रीय विद्यालय नहीं है। राइट टू एजुकेशन में ऐसा प्रावधान है कि 6 किलोमीटर के दायरे में ही एजुकेशन मिलती है, किन्तु फिर भी इनको वहां एडमिशन नहीं मिलता है। मेरी आपके माध्यम से सरकार और मंत्री जी से प्रार्थना है कि मेरे मतक्षेत्र गोमतीपुर, लाबा, निकोल, इन्द्रपुरी, अमराईवाडी में कम से कम 2 केन्द्रीय विद्यालय खोलने की अनुमति मिले। मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि हमारे ऊपर बहुत केन्द्रीय विद्यालय के लिए का दबाव आता है। आजकल सभी सांसदों पर केन्द्रीय विद्यालय के लिए दबाव आता है। केन्द्रीय विद्यालय की जो 10 सीटें हमें देने का अधिकार है, उसे 50 तक बढ़ाया जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को डॉ. किरिट पी. सोलंकी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री जसबीर सिंह (डिम्पा) गिल (खडूर साहिब): माननीय अध्यक्ष जी, आज जो इशूज़ मैं यहां उठाने जा रहा हूं, उसकी नैशनल और हिस्टोरिक इम्पॉर्टेंस है। जितने भी माननीय सदस्य यहां हैं, कट अक्रॉस द पार्टी लाइन वे मुझे इसमें सपोर्ट करेंगे। इससे पहले कि मैं इशूज़ बोलूं, मैं आपसे एक अनुरोध करना चाहता हूं। जब आप स्माइल करते हैं, हमारे पसीने छूट जाते हैं, क्योंकि स्माइल के साथ ही घंटी बज जाती है। अत: कृपया दो मिनट स्माइल मत कीजिए।

सर, जो जलियांवाला बाग मैसेकर हुआ था, उसका 100वां साल हमने आब्जर्व किया। माननीय राहुल जी और पंजाब के हमारे माननीय मुख्य मंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह जी ने उसमें शिरकत की थी। सर, जलियांवाला बाग में जो दो आइकॉनिक स्ट्रक्चर्स हैं, एक तो फ्लेम शेप्ड

स्ट्रक्चर है, दूसरा जो शहीदी वेल है, उस पर एक स्ट्रक्चर बना हुआ था। मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने उसे रेनोवेट करने के लिए उसका ब्यूटीफिकेशन करने के लिए उस पर काम शुरू किया, लेकिन अफसोस की बात है कि शहीदी कुएं के ऊपर 100 साल पुराना जो स्ट्रक्चर था, उसे तोड़ दिया गया है, जो कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी और देश के लिए भी अच्छा नहीं है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप इसके लिए मिनिस्टर ऑफ कल्चर से कहें कि जिन्होंने तोड़ा है, उनके ऊपर कार्यवाही हो और उसके जैसा दूसरा स्ट्रक्चर वहां बनवाया जाए। धन्यवाद।

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): अध्यक्ष जी, धन्यवाद। आपने मुझे महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है। मैं सत्रहवीं लोक सभा में पहली बार अपने क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण विषय को आपकी अनुमति से उठाने जा रहा हूँ। महोदय, मैं बिहार के औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र से चुनकर आया हूँ, जो पूरा का पूरा पठारी व जमीनी तपिश, अत्यधिक तापमान, प्रचण्ड लू चलने वाला और भू-जल के अभाव वाला इलाका है। देश में जल की कमी को महसूस करते हुए इस गंभीर विषय पर अपना संज्ञान लेकर और इस दिशा में ठोस कार्यवाही के लिए हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने पहल शुरू की है। इसके लिए एक जल शक्ति मंत्रालय का गठन भी हुआ है, लेकिन मैंने आज अखबार में एक खबर पढी, जिसमें जल शक्ति मंत्रालय के द्वारा देश के लगभग 300 जिलों के लगभग 1600 प्रखण्ड़ों को चिह्नित किया गया है, जो जल क्षेत्र के अभाव वाले इलाके हैं, जिसमें हमारे संसदीय क्षेत्र का आधा हिस्सा है जो गया जिले में आता है । गया जिले का नाम तो उस सूची में है लेकिन औरंगाबाद जिले का नाम उस सूची में नहीं है, जबकि हमारे यहां लोगों को तीन-तीन किलोमीटर से पानी लाना पड़ता है।

(1415/RPS/NKL)

पानी का कोई विकल्प नहीं है। भूजल का स्तर इतना नीचे चला गया है कि लगभग सारे हैण्डपम्प्स सूख गए हैं। मेरा आपके माध्यम से, सरकार से, जलशक्ति मंत्रालय से यह निवेदन है,

आग्रह है, मांग है कि औरंगाबाद जिले को भी उस सूची में शामिल किया जाए, ताकि वहां पीने के पानी का प्रबन्ध भारत सरकार की उस योजना के माध्यम से हो सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं डॉ. निशिकांत दुबे को श्री सुशील कुमार सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

कई विषयों पर जब चर्चा होगी, बजट, रेल आदि ऐसे विषय हैं, जिन पर डीटेल्ड चर्चा होगी, उस समय आप डीटेल्ड बात कह सकते हैं। शून्य काल में केवल वही सब्जेक्ट उठाना चाहिए, जो अर्जेंट मैटर हो। इसलिए मेरा सभी माननीय सदस्यों से आग्रह है कि बजट पर पहली बार इतनी लम्बी चर्चा होगी कि आप जितना बोलना चाहेंगे, उतना समय आप लोगों को मिलेगा।

…(<u>व्यवधान</u>)

प्रो. सौगत राय (दमदम): सर, मेरा एक सवाल है। आप कह रहे हैं कि अभी इम्पोर्टेंट अर्जेंट मैटर उठाइए, क्या एक भी कैबिनेट मिनिस्टर यहां बैठे हुए हैं? लोग किसके लिए बोलेंगे? इतने दूरदराज एरिया से आए हैं, पहली बार बोलेंगे। …(व्यवधान) यहां एक भी कैबिनेट मिनिस्टर नहीं है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप विराजें, मैं व्यवस्था देता हूं।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट बैठिए, मैं व्यवस्था देता हूं।

…(<u>व्यवधान</u>)

SHRI SURESH KODIKUNNIL (MAVELIKKARA): Sir, please give me one minute.…(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य सुरेश जी, आप वरिष्ठ सदस्य हैं। कृपया बैठ जाइए।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: आप वरिष्ठ सदस्य हैं।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: माननीय वरिष्ठ सदस्य, अभी कैबिनेट की बैठक चल रही है और माननीय मंत्री जी मुझसे इजाज़त लेकर गए हैं।

…(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय (दमदम): सर, मिनिस्टर ऑफ पार्लियामेंटरी अफेयर्स भी यहां नहीं हैं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

SHRI SURESH KODIKUNNIL (MAVELIKKARA): Sir, please give me one minute.…(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : कोई आवश्यकता नहीं है, नियम में ऐसा नहीं है।

श्री वीरेन्द्र सिंह जी, आप बोलिए।

…(व्यवधान)

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): स्पीकर साहब नए लोगों को मौका दे रहे हैं।…(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय (दमदम): लेकिन वे सुनें तब न। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री वीरेन्द्र सिंह जी, आप बोलिए।

श्री वीरेन्द्र सिंह (बलिया): अध्यक्ष जी, मैं बहुत ही गंभीर विषय पर आपके माध्यम से संसद का ध्यान दिलाना चाहता हूं, जो देश के लिए बहुत गंभीर है। आज …(कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) के एक न्यायाधीश ने बयान दिया है कि …(कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) …(व्यवधान) मुझे बोलने दीजिए। …(कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) में परिवारवाद और जातिवाद के आधार पर नियुक्ति हो रही है, फैसले हो रहे हैं। यह देश के लिए बहुत ही गंभीर विषय है और गंभीर सवाल है। इस विषय पर दोनों सदनों में चर्चा करनी चाहिए।

अध्यक्ष जी, मैं निवेदन करता हूं कि अगर न्यायपालिका पर भरोसे का संकट पैदा हो जाएगा तो लोकतंत्र पर संकट होगा। अभी तक लोकतंत्र की जितनी भी संस्थाएं हैं, उनमें

न्यायपालिका एक ऐसी संस्था है, जिस पर देश के करोड़ों लोगों का भरोसा है। जब व्यवस्थापिका पर परिवारवाद और जातिवाद का संकट पैदा हुआ तो बहस खड़ी हुई, देश की जनता ने परिवारवाद और जातिवाद को खारिज किया। मैं इस बात को चिन्तापूर्वक, आपके माध्यम से, देश और संसद को बताना चाहता हूं कि जब न्यायपालिका पर परिवारवाद और जातिवाद का एक न्यायाधीश द्वारा ही आरोप लगाया जा रहा है तो फैसला कहां होगा?

अध्यक्ष जी, जब लोगों की उम्मीद न्यायपालिका से टूट जाएगी तो एक राजनीतिक कार्यकर्ता होने के नाते, मुझे लगता है कि लोकतंत्र पर खतरा पैदा हो जाएगा, फिर अराजकता फैल जाएगी, कानून टूटने लग जाएंगे। इसलिए इस गंभीर चिन्ता पर पूरे सदन को बहस करनी चाहिए और एक रास्ता निकाला जाना चाहिए कि न्यायपालिका पर भरोसा कायम रहे।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री वीरेन्द्र सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

(1420/RAJ/KSP)

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): अध्यक्ष महोदय, मैं दो लाइन बोलना चाहती हूं कि

नारी जब जागती है तो अधिकार मांगती है
प्रेम से पुकारो तो प्यार बांटती है
मां बहन और बेटी बन कर समाज को संभालती है
अपराधियों का दुर्गा बन कर संहार करती है।

आज हम यह इसलिए सुना रहे हैं कि नारियों को थोड़ी-सी जगह मिली है और वे अधिकार से अपना काम कर रही हैं। अध्यक्ष महोदय बहुत अच्छी तरह महिलाओं को सम्मान दे रहे हैं। आपने पहली बार चुनी गई महिलाओं को बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपको हृदय से धन्यवाद देती हूं।

शून्य काल के माध्यम से अपने संसदीय क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहती हूं। मेरे संसदीय क्षेत्रांर्तगत पूर्व मध्य रेलवे जोन के समस्तीपुर रेलवे मंडल अंतर्गत दरभंगा, रक्सौल रेल खंड पर अवस्थित गुरहनवा रेलवे हॉल्ट बुनियादी सुविधाओं से

वंचित है। जहां यात्रियों के लिए न तो पेयजल की व्यवस्था है और न ही शौचालय की व्यवस्था है। वहां प्रतीक्षालय भी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

महोदय, उक्त गुरहनवा रेलवे हॉल्ट, भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित है, जो बाढ़ प्रभावित इलाका भी है, जहां वर्षा के दिनों में रेलवे ट्रैक पर पानी का जल-जमाव हो जाता है, जिससे ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होता है। इस लिहाज से प्लेटफॉर्म का उच्चीकरण भी नितांत आवश्यक है। स्टेशन भवन काफी पुराना होने के कारण जर्जर हो चुका है। वहां यह तकलीफ वर्षों से है। मैं पूरी बात कहना चाहती हूं। प्रतिदिन सैकड़ों यात्री रेलवे से यात्रा करते हैं, इसके बावजूद यहां विभागीय फोन भी नहीं है। मीटर गेज के वक्त यहां पर कंट्रोल फोन लगा है, परन्तु बड़ी लाइन सेवा प्रारंभ् होने के बाद कंट्रोल फोन का कनेक्शन नहीं जोड़ा गया है और न ही मैगनेट फोन दिया गया है। जिससे यात्रियों को गाड़ी की आगमन-प्रस्थान की सही जानकारी नहीं मिल पाती है।

अत: सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध होगा कि जनहित में संसदीय क्षेत्रांतर्गत पूर्व मध्य रेलवे जोन के रक्सौल सीतामढ़ी रेलवे खंड पर अवस्थित गुरहनवा रेलवे हॉल्ट पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही, एक कार्य योजना के तहत वहां जर्जर हो चुके प्रतीक्षालय को बनावाया जाए। आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया है, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं।

श्री हरीश द्विवेदी (बस्ती): माननीय अध्यक्ष जी, देश और दुनिया के सभी हिन्दुओं की आस्था के केन्द्र, भगवान श्री राम के जन्म के लिए राज दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराई थी। वह स्थान मखौड़ा धाम बस्ती जिले में है। वहां प्रति वर्ष हिन्दुस्तान और दूसरे देशों के श्रद्धालु लाखों की संख्या में 84 कोसी परिक्रमा करते हैं, लेकिन वे घाघरा नदी को नाव से पार करके जाते हैं। वह यात्रा पांच जिलों में जाती है – बस्ती, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, बाराबंकी और गोंडा।

अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि घाघरा नदी पर शेरवाघाट के एक पुल का कार्य बहुत दिनों से लंबित है, उसको बनवाने की कृपा करें।

माननीय अध्यक्ष : श्री रितेश पाण्डेय और कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री हरीश द्विवेदी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री अजय टम्टा (अल्मोड़ा): अध्यक्ष महोदय, मुझे 17वीं लोक सभा में पहली बार बोलने का मौका मिला है, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

महोदय, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण विषय पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यानाकर्षण कर रहा हूं। मैं उत्तराखंड के अल्मोड़ा संसदीय क्षेत्र से चुन कर सांसद बना हूं। सीमांत क्षेत्र नेपाल, चीन और तिब्बत का जो बॉर्डर है, उसमें पिढ़ौरागढ़ में पिछले 25 सालों से रनवे का काम चल रहा था, एयर पट्टी बनने का काम चल रहा था, उस पर एयर लैंडिंग नहीं थी। आदरणीय नरेन्द्र भाई मोदी जी के मार्गदर्शन से, सरकार के माध्यम से डीजीसीए और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के क्लीयरैंस के बाद रनवे पर जहाज उतरने की अनुमति मिली। 8 अक्टूबर, 2018 को गृह मंत्री, वर्तमान में रक्षा मंत्री आदरणीय राजनाथ सिंह जी, उत्तराखंड के माननीय मुख्य मंत्री और हम सभी सांसदों के माध्यम से इसका शुभारंभ किया गया। इस रनवे पर प्राइवेट एयर हेरिटेज के माध्यम से जहाज उड़ाने का काम किया गया। इसमें लगातार एक महीने की टिकट की बुकिंग भी हुई। यह सीमांत क्षेत्र है। हमें इस जगह जाने में 20-22 घंटे लगते हैं। जहाज से यात्रा करने के लिए देहरादून, पंत नगर और पिढ़ौरागढ़ में रनवे का काम चल रहा था, उड़ान का काम चल रहा था, मगर 9 फरवरी, 2019 को विमान ने पंत नगर से पिढ़ौरागढ़ के लिए उड़ान भरी तो विमान का फाटक हवा में खुल गया।

(1425/IND/SRG)

चालक दल ने बहुत सूझ-बूझ से काम लिया और विमान की लैंडिंग कराई। इसमें किसी तरह का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। चूंकि इसे 'उड़ान' योजना के अंतर्गत लिया है, इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इसे एयर इंडिया या हैरिटेज कम्पनी या जो भी इसे चलाना चाहते हैं, वे चलाएं। यह सीमांत क्षेत्र का मामला है, सीमांत के लोगों को सुविधा देने का मामला है, इसलिए इस अति महत्वपूर्ण मामले को सरकार के समक्ष लाना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष : कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री अजय कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री अर्जुन सिंह (बैरकपुर): महोदय, मैं आपको नमन करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया है। मैं पहली बार सांसद बना हूं। मैं अपने संसदीय क्षेत्र से लगे हुए जिले की बात रखना चाहता हूं। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय समस्या के बारे में मैं बोलना चाहता हूं। हिंदू धर्म में गाय प्राचीन काल से वंदनीय और पूजनीय रही है। गाय की स्मगलिंग पश्चिम बंगाल के तमाम बार्डर इलाकों में इस कदर हो रही है कि मुझे शर्म से कहना पड़ता है कि यह घिनौना काम राज्य सरकार, *'पीसी भाइपो'* की जो सरकार है, उसके माध्यम से हो रहा है। भारतवर्ष से बांग्लादेश में लाखों गायें जाती हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे बीएसएफ के जो अधिकारी हैं, यदि इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें मिथ्या मामले में फंसाया जाता है।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से यही आग्रह करना चाहता हूं कि बांग्लादेश से फेक करेंसी आती है और ड्रग्स आती है। पश्चिम बंगाल के युवाओं को नष्ट करने की कोशिश की जा रही है।...(व्यवधान) वहां व्यापक रूप से फोर्स की व्यवस्था की जाए और सीसीटीवी कैमरा बार्डर पर लगाए जाएं, ताकि इस अत्याचारी शासन को खत्म किया जाए।...(व्यवधान) ये *... (Not recorded)* समुदाय के लोग हैं, इनको खत्म किया जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री अर्जुन सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री मारगनी भारत।

...(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : सिर्फ श्री मारगनी भारत की बात रिकार्ड में जाएगी।

...(<u>व्यवधान</u>)

SHRI MARGANI BHARAT (RAJAHMUNDRY): Hon. Speaker Sir, thank you for giving me the opportunity to speak. I would like to draw your attention to the

road accidents happening everywhere, in fact, every second, across the country. Day before yesterday, in Jammu and Kashmir valley, almost 35 people were killed in a mishap. In this connection, I would like to draw your kind attention to my constituency, Rajahmundry, which is located on the National Highway 5 running between Kolkata and Chennai.

In my constituency, there are five major accident-prone junctions, where the situation is really petrifying. Out of these five major accident-prone junctions, only one junction was sanctioned by the hon. Minister. The rest of the four junctions have to be sanctioned. …(*Interruptions*). I will give my proposal and complete it. …(*Interruptions*).

I request hon. Minister and the Government of India to sanction one single flyover, so that the traffic coming to the city comes under the flyover and all the major vehicles will go on the flyover. So, you could save as many lives as possible, and you will be considered remarkably noble. I would like to urge upon the hon. Minister to initiate the work at the earliest.

श्री सतीश कुमार गौतम (अलीगढ़): अध्यक्ष जी, मैं अपने लोक सभा क्षेत्र अलीगढ़ की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा, जहां केंद्र शासित अलीगढ़ मुस्लिम यूनीवर्सिटी है। जिस तरह से बीएचयू में एससी, एसटी और ओबीसी को आरक्षण मिलता है, कांग्रेस की गलतियों के कारण मेरी यूनीवर्सिटी में न एससी को आरक्षण मिलता है, न ओबीसी को आरक्षण मिलता है, न एसटी को आरक्षण मिलता है। कांग्रेस के रहते हुए यह आरक्षण खत्म किया गया।…(व्यवधान) ,पूर्व के एचआरडी मिनिस्टर ने यूनीवर्सिटी को पत्र जारी किया था। आज मेरे क्षेत्र के एससी, एसटी और ओबीसी के बच्चे तड़प रहे हैं, क्योंकि वे उस यूनीवर्सिटी में पढ़ नहीं सकते हैं। यह कांग्रेस की देन थी कि आज उस यूनीवर्सिटी में आरक्षण नहीं है।…(व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH(MAVELIKKARA) : Sir, he cannot make wild allegations against the Congress party…*(Interruptions)*

श्री सतीश कुमार गौतम (अलीगढ़): केंद्र की सरकार के पैसे से वह यूनीवर्सिटी संचालित होती है, लेकिन आज कांग्रेस की बदौलत वहां एससी, एसटी और ओबीसी के बच्चे पढ़ नहीं पा रहे हैं। मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि चूंकि केंद्र सरकार के पैसे से यह यूनीवर्सिटी चलती है, इसलिए उसमें एससी, एसटी और ओबीसी के छात्रों को आरक्षण मिलना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री सतीश कुमार गौतम द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

(1430/VB/KKD)

SHRI JAYADEV GALLA (GUNTUR): Thank you, Mr. Speaker, Sir. I am going to raise an urgent matter of public importance; and I would make it very quick.

Sir, Bytedance, which runs *Helo* and *TikTok* Apps is the world's most valuable start-up. Its App *TikTok* has reportedly crossed one billion downloads worldwide, and has over 300 million users in India. Its applications collect 45 per cent more information and permissions than any other Apps granting them intrusive access to their users.

Bytedance also runs a network of paid influencers, who receive Rs. 1 lakh per month. In 2019, Facebook removed over 11,000 fake or morphed election-related media shared by *Helo* in India.

There was also widespread use of *TikTok* for campaigning by political parties during the recently conducted elections. We have also seen people spreading fake news and malicious content under the guise of freedom of speech, which is impacting our democratic process. Under the garb of a light-hearted application, *TikTok* and its affiliates pose a serious threat to India.

So, I would request the Government of India to take appropriate action to ban *TikTok* and other such similar Apps in the country and to direct Google, Apple, Antroid etc., to remove such Apps from their platforms.

Thank you, Sir.

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस देश में हम लोग अभी चुनाव लड़कर आए हैं। प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को कंट्रोल करने के लिए सरकार ने कोई-न-कोई कानून बना रखा है। लेकिन, फेसबुक के माध्यम से, जैसा कि अभी जयदेव गल्ला जी बोल रहे थे, विभिन्न ऐप्स या नेट के माध्यम से प्रत्येक जिले और प्रत्येक ब्लॉक में पत्रकार खड़े हो गए हैं, जो आपके सामने माइक लगा देते हैं और आपकी प्राइवेसी पर हस्तक्षेप करते हैं। इनसे तबाह होते हुए, अभी सारे मेम्बर ऑफ पार्लियामेंट चुनाव लड़कर आए हैं।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया एक गाइडेड कानून के तहत देश में काम कर रहे हैं, उसी तरह से गुगल, फेसबुक आदि जो पेड न्यूज़ या जिस प्रकार के भी न्यूज़ के माध्यम हैं या सोशल मीडिया है, इनको कंट्रोल करने के लिए सरकार को एक कड़ा कानून बनाना चाहिए ताकि लोगों की प्राइवेसी पर हस्तक्षेप न हो सके।

माननीय अध्यक्ष: यह बहुत अच्छा विषय है और सदन की चिन्ता का विषय है। इस पर चर्चा होनी चाहिए। यदि आप नियम 193 के तहत चर्चा के लिए सूचना देंगे, तो हम इस पर चर्चा कराएंगे।

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री एस.सी.उदासी, डॉ. राजदीप राय एवं श्री दुष्यंत सिंह को श्री निशिकांत दुबे द्वारा उठाए गए विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री अनुमुला रेवंत रेड्डी (मल्काजगिरी): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं तीन दिनों से अपनी बात कहने की कोशिश कर रहा हूँ। आपने मुझे मौका दिया, इसके लिए thank you very much.

महोदय, एक बहुत गंभीर समस्या है। लगभग सौ साल से अधिक से यह समस्या लगातार बनी हुई है। सरसाला विलेज, कागज़नगर मण्डल, कोमाराम भीम आसिफ़ाबाद जिला, तेलंगाना में चार दिनों से एक मामला चल रहा है। फॉरेस्ट में प्लांटेशन के लिए जो ऑफिसर्स जा रहे हैं, तो वहाँ

आदिवासी लोग फॉरेस्ट ऑफिसर्स को मार रहे हैं। 30 तारीख को वहाँ पर ऑफिसर्स गए हुए थे, तो पूरे आदिवासी लोगों ने ऑफिसर्स को मारा, जिसके कारण ऑफिसर्स के हाथ टूट गये हैं।

Komaram Bheem, who was the first Indian Tribal Guerrilla Warier, वे इसके लिए निज़ाम सरकार के खिलाफ लड़कर शहीद हो गए। लेकिन, आज सौ साल के बाद भी यह समस्या वैसी ही बनी हुई है। जहाँ गोदावरी प्रांत है, वहाँ पर राज्य सरकार चुनाव हार गई। अभी राज्य सरकार में जो पॉलिटिकल पार्टी है, वहाँ अभी चुनाव में भाजपा को वोट दिया गया है। फॉरेस्ट ऑफिसर्स को वहाँ भेजा जा रहा है और आदिवासियों को कहा गया कि ये वही लोग हैं, ऐसा कहकर उन फॉरेस्ट ऑफिसर्स को मारने-पीटने के लिए सुझाव दे रहे हैं। …(व्यवधान)

इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से कहना चाहता हूँ कि there is no coordination between the Forest Officers and the Revenue Officers.

(1435/PC/RP)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपको बोलने की इजाज़त नहीं दी गई है। आप बैठ जाइए।

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री अनुमुला रेवंत रेड्डी (मल्काजगिरी) : सर, रेवेन्यु डिपार्टमेंट और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में कोई कोऑर्डिनेशन नहीं है। …(व्यवधान) वहां कोई लॉ एंड ऑर्डर नहीं है। …(व्यवधान) कल भी जो सदस्य बोले थे, उनके इलाके में और मुलकलापल्ली, भद्राचलम और खम्माम डिस्ट्रिक्ट में कल भी फॉरेस्ट ऑफिसर के साथ आदिवासियों ने मारपीट की। …(व्यवधान) इसका मतलब है कि यह पांच लाख हैक्टेयर की समस्या है। …(व्यवधान) ये आदिवासी जंगलों में जी रहे हैं। …(व्यवधान) इन लोगों को जंगल से निकालने के लिए यह सरकार कोशिश करे, इसलिए मैं आपके माध्यम से फॉरेस्ट मिनिस्टर और गृह मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि फिफ्थ शेड्यूल में जो आएगा, वह … *(Not recorded)* पूरा ठेकेदार है। …(व्यवधान) आप … *(Not recorded)* को यह आदेश दीजिए कि वे इसका इमिडिएट रिव्यु कर के इसमें जो-जो लोग शामिल हैं, उन सब को न्याय मिले। …(व्यवधान)

श्रीमती लॉकेट चटर्जी (हुगली) : स्पीकर महोदय, नमस्ते।

मैं आज सदन में बंगाल में जो हो रहा है, उसके बारे में बोलना चाहती हूं। ...(व्यवधान) श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बंगाल आज जल रहा है। ...(व्यवधान) हुगली से, गुराप से लेकर गायघाट और गंगारामपुर से लेकर गंगासागर, सब जगहों पर आज जय श्री राम ... ...(व्यवधान)

*Sir, today from Gurap to Gaighata, Gangarampur to Ganga-sagar, whoever is chanting 'Jai Sri Ram' is being gunned down like a terrorist by the police and Trinamool *... (Not recorded)* They hit Joychand Mallick and Sagar Baul Das in Gurap with bullets today. I wish to tell you that 'Jai Sri Ram' is the clarion call of India, Sri Ram is the heartfelt chant of the Indians 'Jai Sri Ram' is the symbol of honesty, indicative of good governance, and justice. It brings people together, irrespective of caste, creed or religion. *... (Not recorded)* gets down from her car and rushes towards the persons who raise the 'Jai Sri Ram' slogan. Police cases are filed against them. In Ramayan, we find Hanumanji chanting the Jai Sri Ram slogan.

...(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती लॉकेट चटर्जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

कोई भी आपत्तिजनक शब्द रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।

...(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही तीन बजकर तीस मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है।

1437 बजे

<u>तत्पश्चात् लोक सभा पंद्रह बजकर तीस मिनट तक</u>
<u>के लिए स्थगित हुई।</u>

---

*Original in Bengali.